श्रीः

हिन्दी मेघदूत विमर्श ।

महाकवि कालिदास प्रणीत मूल संस्कृत

और

समश्लोकी पद्य तथा गद्य हिन्दी भाषानुवाद समेत

अलङ्कारप्रकाश आदि के प्रणेता

सीकर—राज्यान्तर्गत रामगढ़ निवासी

कन्हैयालाल पोद्दार (गुप्त) निर्मित

"अनिपुणमखिलार्थव्याकृतौ कः कृतीस्या—
त्सुमतिभिरनुभाव्ये कालिदासस्य काव्ये ।
भवति परिमातुं को [illegible]—
न्वपुषि सुकृतिदृश्ये विश्वरूपस्य विष्णोः" ॥

—o—

सन् १९२१

लीडर, प्रेस—प्रयाग.

प्रथम बार] [मूल्य १॥)